सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 672
02/09/2019

खाद्यान्न व्यवसायियों का प्रकृति एवं पर्यावरण से अंदरुनी संबंध है :– मुख्यमंत्री

पटना 02 सितम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स में बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन सह स्व0 राम लखन प्रसाद गुप्त जी की 94वीं जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजकों को इस बात के लिए बधाई देता हूँ कि रामलखन प्रसाद गुप्त जी की जयंती आज के दिन मनाते हैं और उन्हें याद करते हैं। आपने मुझे इस विशेष अवसर पर आमंत्रित किया है, इसके लिये मैं आप सबको धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि पहले श्री गंगा प्रसाद जी और अब श्री बलराम प्रसाद जी इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। आप सभी के निवेदन पर दानवीर भामा शाह की प्रतिमा बनकर तैयार है, जिसका अनावरण जल्द ही भव्य तरीके से होगा। मुँगेर में रामलखन प्रसाद गुप्त जी की भी प्रतिमा का निर्माण कार्य चल रहा है और इसे तीन महीने के अंदर पूर्ण कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से आपने बिहार की सेवा करने का मौका दिया है, हम विकास कार्य में लगे हैं। आज से 13 वर्ष पहले कृषि ऊपज बाजार अधिनियम को हमलोगों ने समाप्त किया, जिससे किसानों और व्यवसायियों को काफी सुविधा हुई। उन्होंने कहा कि बाजार समिति की व्यवस्था को भी ठीक किया जाएगा, जिससे अन्य सहुलियतों के साथ–साथ व्यवसायियों और खरीददारों को दरों की जानकारी भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह आर्थिक क्षेत्र में मंदी का माहौल बनाया जा रहा है, जिसके संबंध में उप मुख्यमंत्री ने तथ्य और तर्क के आधार पर आप सबों के सामने अपनी बातों को रखा है। आप सबों को चिंता करने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि राजधानी पटना एवं राज्य के अन्य जिलों के किसी भी कस्बे में दुकान खुलने की संख्या बढ़ी है। सामानों की बिक्री बढ़ी है और लोगों के खरीदने की क्षमता भी बढ़ी है। राज्य का विकास दर पिछले कुछ वर्षों से डबल डिजिट में है और अद्यतन ऑकड़ों के मुताबिक राज्य का विकास दर 11.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हमलोग विकेंद्रीकृत तरीके से राज्य का विकास कर रहे हैं। शिक्षा समितियों के माध्यम से स्कूलों का निर्माण कराया गया, उसके आस–पास दुकानें खुलीं, जिससे लोगों का रोजगार भी बढ़ा। राज्य के विकास में आप सबों की भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वर्ष जुलाई महीने में राज्य के 13 जिले बाढ़ से प्रभावित हुये, पीड़ित परिवारों को राज्य सरकार की तरफ से सहायता उपलब्ध करायी गई। कुछ जिलों में कम वर्षा के कारण सूखे की स्थिति बन रही है। हमलोग बाढ़ प्रभावितों की तरह सूखा प्रभावितों की भी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले राज्य में सड़कों की क्या स्थिति थी, आप सब जानते हैं। राज्य में सड़कों का जाल बिछा है। चाहे राज्य की ग्रामीण सड़कें हों, चाहे पथ निर्माण की सड़कें हों, सड़क निर्माण के साथ–साथ उनका रखरखाव भी किया जाएगा, इसके लिए नीति बना दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य का प्रजनन दर 4 के लगभग था, जो अब घटकर 3. 2 हो गया है। अगर लड़की मैट्रिक पास है तो देश का भी और बिहार का औसत प्रजनन दर 2 के बराबर है और अगर लड़की 12वीं पास है तो राज्य का प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से भी कम है। हमलोगों ने तय किया कि लड़कियों को शिक्षित करेंगे तो राज्य का प्रजनन दर भी

घटेगा। राज्य के स्कूलों में अब लड़के और लड़कियों की संख्या बराबर हो गई है। आप सबसे निवेदन है कि आपके पास जो भी लोग आते हैं, उन्हें आप इसके लिए प्रेरित करें कि वे लड़कियों को जरुर शिक्षित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण में बदलाव के कारण वर्षापात की स्थिति में भी परिवर्तन आया है, भू–जल स्तर भी घटा है। राज्य के किसानों को जल की उपलब्धता के अनुसार फसल चक्र में परिवर्तन करना चाहिए। आप खाद्यान्न संघ के लोग भी इसके लिए लोगों को प्रेरित करें। पर्यावरण संकट के समाधान के लिए हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की है। राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 8 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। हरियाली मिशन के तहत राज्य में 19 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। इस वर्ष डेढ़ करोड़ पौधे लगाए गए हैं। चाहे ग्रामीण हो या शहरी सड़क, हमलोगों ने निर्णय लिया है कि सड़क के दोनों तरफ पौधे लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हर इच्छुक व्यक्तियों तक बिजली का कनेक्शन पहुंचा दिया गया है और सौर ऊर्जा के लिए काम किया जा रहा है। हर घर नल का जल लोगों तक पहुंचाया जा रहा है, लगभग 40 प्रतिशत लोगों के घरों में हर घर नल का जल पहुॅचाया जा चुका है और अगले वर्ष तक राज्य के सभी घरों में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पीने के पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी लोगों को प्रेरित करें। आप सब भी पेड़ लगायें और इस अभियान में भाग लें। जल संग्रह के लिए लोगों में जागृति लायें। चापाकल के साथ–साथ कुओं का भी जीर्णोद्धार कराया जाएगा। वर्षा का पानी जमीन के नीचे जाए, इसके लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर पर्यावरण के साथ–साथ जल की व्यवस्था ठीक हो जाए तो उत्पादन बढ़ेगा। अन्न का उत्पादन बढ़ने से आप व्यवसायियों को फायदा होगा और बिहार का अन्न आपलोग बाहर भेज सकेंगे। आप सबों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। लोगों को जीने के लिए ऑक्सीजन, जल और अन्न जरुरी है। आप खाद्यान्न व्यवसायियों का प्रकृति एवं पर्यावरण से अंदरुनी संबंध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप व्यवसायियों को सुरक्षा के लिए चिंतित होने की जरुरत नहीं है, हम इसके लिए पूरी तरह से मुस्तैद हैं। 60 प्रतिशत अपराध की घटनाएं भूमि एवं संपत्ति विवाद से संबंधित होती हैं। कुछ आदमियों की मनोवृति गलत करने की होती है उसके लिए कार्रवाई की जाती है। जो गलत करता है उसे नहीं छोड़ा जाता। न हम किसी को फंसाते हैं और न किसी को बचाते हैं। आपलोग चिंतामुक्त होकर बुलंदी के साथ काम कीजिए। हम सब मिलकर बिहार के विकास के लिए काम करेंगे। बिहार का विकास होगा तो देश का विकास होगा। राज्य में प्रेम, शांति, सद्भाव का वातावरण बनाए रखना है। सिर्फ अपने लिए काम नहीं करना है बल्कि पूरे समाज, राज्य और देश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि रामलखन प्रसाद गुप्ता जी के प्रति मैं अपनी श्रद्धा व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रामलखन प्रसाद गुप्ता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री का स्वागत अंगवस्त्र, पुष्प–गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया गया। कार्यक्रम को सिक्किम के राज्यपाल सह बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ के संरक्षक श्री गंगा प्रसाद, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, पटना नगर निगम की महापौर श्रीमती सीता साहू, बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ के अध्यक्ष श्री बलराम प्रसाद ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक, श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, विधायक श्री संजीव चौरसिया, दिल्ली राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ के अध्यक्ष सह पूर्व सांसद श्री श्याम बिहारी सिन्हा, बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ के महासचिव श्री नवीन कुमार सहित राज्य से आए अन्य खाद्यान्न व्यापारी संघ के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

******